अर्द्धवार्षिक परीक्षा

D/12

विषय – हिन्दी

समय : 3.15 घंटा | कक्षा–9 | पूर्णांक :70

(खण्ड–अ)

(बहुविकल्पीय प्रश्न)

1– प्रारम्भिक गद्य लेखकों में दो राजाओं में से एक हैं– 1

(अ) सदासुखलाल (ब) सदल मिश्र (स) शिवप्रसाद सितारेहिन्द (द) लल्लूलाल।

2– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने किसकी भाषा को 'रंगीन और चुलबली' कहा है– 1

(अ) लल्लूलाल की (ब) सदासुखलाल की

(स) इंशा अल्ला खाँ की (द) सदल मिश्र की।

3– बालमुकुन्द गुप्त किस युग के लेखक थे– 1

(अ) भारतेन्दु युग के (ब) द्विवेदी युग के

(स) छायावादी युग के (द) प्रगतिवादी युग के।

4– द्विवेदी युग की प्रसिद्ध पत्रिका है– 1

(अ) हिन्दी प्रदीप (ब) ब्राह्मण

(स) सरस्वती (द) आनन्द कादम्बिनी।

5– आदिकाल को किस नाम से नहीं जाना जाता– 1

(अ) वीरगाथाकाल (ब) रीतिकाल (स) चारणकाल (द) सन्धिकाल।

modelpaper.info

6– 'आल्हखण्ड' का दूसरा नाम है– 1

(अ) बीसलदेव रासो (ब) परमाल रासो (स) खुमान रासो (द) हम्मीर रासो।

7– निम्नलिखित में से कौन भक्तिकाल का महाकाव्य है– 1

(अ) साकेत (ब) श्रीरामचरितमानस

(स) कामायनी (द) पृथ्वीराज रासो।

8– हिन्दी साहित्य में किस काल को 'स्वर्ण युग' कहा जाता है– 1

(अ) रीतिकाल (ब) आदिकाल (स) भक्तिकाल (द) आधुनिककाल।

9– राम को रूपु निंहारति जानकी कंगन के नग की परछाहीं। 1

यातैं सबै सुधि भूलि गई, कर टेकि रही पल टारति नाहीं।।

–इन पंक्तियों में रस है–

(अ) वियोग श्रृंगार (ब) शान्त (स) वत्सल (द) संयोग श्रृंगार।

10– 'राम अनुज मन की गति जानी। भगत बछलता हिय हुलसानी।।' पंक्ति में कौन–सा छन्द है–1

(अ) रोला (ब) चौपाई (स) कुण्डलिया (द) सोरठा।

11– चिरजीवो जोरी जुरै, क्यों न सनेह गँभीर। 1

को घटि ए वृषभानुजा, वे हलधर के वीर।।

–इन पंक्तियों में किस अलंकार का प्रयोग हुआ है–

(अ) अतिशयोक्ति (ब) अनुप्रास (स) श्लेष (द) सन्देह।

12– अनुराग, विराग, डेविड आदि के बीच से प्रयुक्त विराम चिह्न है– 1

(अ) अल्प विराम (ब) अर्द्धविराम (स) विस्मयसूचक (द) प्रश्न चिह्न।

13– 'सौभाग्य' का तद्भव होता है– 1

(अ) सपना (ब) सैकड़ा (स) सुहागा (द) सुहाग।

14– 'न्यून' शब्द 'अधिक' शब्द का है– 1

(अ) तत्सम शब्द (ब) तद्भव शब्द (स) पर्यायवाची शब्द (द) विलोम शब्द।

15– पर्यायवाची शब्दों को और किस नाम से जाना जाता है– 1

(अ) भिन्नार्थक शब्द (ब) समानार्थी शब्द (स) श्रुतिसम शब्द (द) विपरीतार्थी शब्द।

16– 'उपराज' का समास–विग्रह है– 1

(अ) छोटा राजा (ब) बड़ा राजा (स) राजा के पास (द) राजा से दूर।

17– 'परोपकार' का उचित सन्धि–विच्छेद है– 1

(अ) पर + ओपकार (ब) परोप + कार (स) पर + उपकार (द) परो + पकार।

18– 'हरौ' में विभक्ति और वचन है– 1

(अ) प्रथमा विभक्ति, द्विवचन (ब) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

(स) पञ्चमी विभक्ति, द्विवचन (द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन।

19– 'भव' रूप है, भू धातु का– 1

(अ) विधिलिङ्लकार, उत्तम पुरुष, एकवचन (ब) लोट्लकार, मध्यम पुरुष, एकवचन

(स) लृट्लकार, प्रथम पुरुष, द्विवचन (द) लङ्लकार, प्रथम पुरुष, बहुवचन।

20– 'कृ' धातु लङ्लकार, प्रथम पुरुष, बहुवचन का रूप है– 1

(अ) कुर्वन्ति (ब) अकरोः (स) अकुर्वन् (द) कुरुथ।

modelpaper.info

(खण्ड 'ब')

वर्णनात्मक प्रश्न

21– निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 6

जैसे नशे में आदमी की देह अपने काबू में नहीं रहती : पैर कहीं रखता है, पड़ता कहीं है : कहता कुछ है, जबान से निकलता कुछ है ; वही हाल इस समय भगत का था। मन में प्रतिकार था, पर कर्म मन के अधीन न था। जिसने कभी तलवार नहीं चलाई वह इरादा करने पर भी तलवार नहीं चला सकता। उसके हाथ काँपते है उठते ही नहीं। भगत लाठी खट–खट करता लपका चला जाता था। चेतना रोकती थी, पर उपचेतना ठेलती थी। सेवक स्वामी पर हावी था।

(अ) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(स) भगत की किस मनोदशा का वर्णन हुआ है ?

अथवा

वह सब प्रकार से लोकोत्तर है। उसका उपचार प्रेम और मैत्री है। उसका शास्त्र सहानुभूति और हित–चिन्ता है। वह कुसंस्कारों के अन्धकार को अपनी स्निग्ध ज्योति से भेदता है, मुसुर्षु प्राण–धारा को अमृत का भाण्ड उड़ेलकर प्रवाहशील बनाता है। वह भेदों में अभेद देखता है, नानात्व में एक का संधान बताता है, वह सब प्रकार से निराला है।

(अ) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(स) 'वह भेदों में अभेद देखता है' : कैसे ?

22– निम्नलिखित पद्यांश की सन्दर्भसहित व्याख्या कीजिए और काव्यगत सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए–6

माया दीपक नर पतँग, भ्रमि भ्रमि इवँ पडंत।
कहै कबीर गुर ग्यान थैं, एक आध उबरंता।।
अंषड़ियाँ झाईं पड़ी, पंथ निहारि–निहारि।
जीभड़ियाँ छाला पड्या, राम पुकारि–पुकारि।।

अथवा

मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई।
जाके सिर मोर मुकुट, मेरो पति सोई।।
तात मात भ्रात बन्धु, आपनो न कोई
छाँड़ि दई कुल की कानि, कहा करिहै कोई।।
संतन ढ़िग बैठि–बैठि, लोक लाल खोई।
अँसुवन जल सींचि–सींचि, प्रेम बेलि बोई।।
अब तो बेल फैल गई, आणंद फल होई।
भगति देखि राजी हुई, जगत देखि रोई।।
दासी मीराँ लाल गिरधर, तारो अब मोई।।

modelpaper.info

23– निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 6

महोरस्को महेष्वासो गूढजत्रुररिन्दम :।
आजानुबाहु : सुशिरा : सुललाट : सुविक्रम।। ३।।
सम : समविभक्तकाङ्ग : स्निग्धवर्ण : प्रतापवान्।
पीनवक्षा विशालाक्षो लक्ष्मीवाञ्छुभलक्षण :।। ४।।

अथवा

अक्रोधेन जयेत् क्रोधमसाधुं साधुना जयेत्।
जयेत् कदर्य दानेन जयेत् सत्येन चानृतम्।।

24– 'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए। 5

अथवा

'दीपदान' एकांकी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

25(क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन–परिचय दीजिए एवं उसकी एक रचना लिखिए– 4

(अ) प्रेमचन्द (ब) हजारीप्रसाद द्विवेदी (स) महादेवी वर्मा।

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन–परिचय एवं उसकी एक रचना लिखिए– 4

(अ) कबीरदास (ब) मीराबाई (स) रहीम।

26– अपनी पाठ्य पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ एक श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्न–पत्र में न आया हो– 2

27– निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर संस्कृत में लिखिए– 4

(अ) भक्त : कुत्र गन्तुम् इच्छति ?

(ब) राम : गाम्भीर्यं केन समः आसीत् ?

(स) अनृंत केन जयेत्।

28– निम्नलिखित में से किसी एक मुहावरे और एक लोकोक्ति का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य–प्रयोग कीजिए– 2

अंधे की लाठी, आस्तीन का साँप,

उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे, जैसा देश वैसा भेष।

29(क) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत मे अनुवाद कीजिए– 4

(अ) श्रीकृष्ण का जन्म मथुरा में हुआ था

(ब) विनय सदाचार से उत्पन्न होता है।

(स) आप दोनों पत्र लिखते हैं।

(द) वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।

30– स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र प्राप्त करने हेतु अपने प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना–पत्र लिखिए। 7

modelpaper.info